प्रश्न: क्या कोई व्यक्ति कोई बात—अच्छी या बुरी—कह सकता
है, और वह सचमुच पूरी हो सकती है, भले ही वह परमेश्वर से न आई
हो?

मेरी दादी मुझे अपने भाई के बारे में बताया करती थीं।

उन्होंने एक महिला से शादी की थी, लेकिन उसके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया। आखिरकार उसने उसे छोड़ दिया, जबकि उनके एक बच्चा भी था। जब वह स्त्री दुखी और ठुकराई हुई अपने परिवार के पास अरूशा लौटी, तो उसने कहा:
“यह आदमी बारह शादियाँ करेगा, और बारहवीं पत्नी लकड़बग्घे जैसी होगी, जो अंत में इसे खत्म कर देगी।”

अब सालों बाद, वह व्यक्ति सचमुच छह शादियाँ कर चुका है और अब भी करता जा रहा है।

तो सवाल यह उठता है: क्या उस स्त्री के शब्द परमेश्वर के द्वारा पूरे हो रहे हैं, या शैतान के द्वारा? या फिर यह कुछ और है?

उत्तर:

मनुष्य के शब्दों में एक आध्यात्मिक शक्ति होती है—जो स्वयं परमेश्वर ने दी है।
जब कोई व्यक्ति विश्वास से बोलता है, तो उसके शब्द परिणाम उत्पन्न कर सकते हैं।
परंतु ध्यान दें, विश्वास तीन प्रकार से कार्य करता है, और हर एक

□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□

□ 1. □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□□

□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□
□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□
□□□□□□ □□□□□ □□□□

□□□□□□□ □□ □□□□, □□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□
□□□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□
□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□
□□□□□ □□ (□□□□□ □□□□□□□□□ 11:43–44 □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□)□

> “□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□, ‘□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□, □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□, “□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□,” □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □ □□□□, □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□, □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□’”
> — □□□□□□ *11:22–23 (ERV-HI)*

□□ □□□□□□□□□-□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□, □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□

प्रश्न : क्या कोई व्यक्ति कोई बात —अच्छी या बुरी —कह सकता है, और वह सचमुच पूरी हो सकती है, भले ही वह परमेश्वर से न आई हो?

□ 2. शैतान से आने वाला विश्वास

शैतान भी आत्मिक शक्ति की नकल करता है।
कुछ लोग —जैसे जादूगर, तांत्रिक या आत्माओं से बातचीत करने वाले —ऐसे शब्द बोलते हैं जो दुष्ट आत्माओं की शक्ति से संचालित होते हैं।
ऐसे मामलों में बुरे आत्मिक बल उन शब्दों को पूरा करने के लिए कार्य करते हैं।

> “क्योंकि हमारा मल्लयुद्ध मनुष्यों से नहीं, परन्तु प्रधानताओं से, अधिकारियों से, इस अन्धकार के संसार के शासकों से, और आकाश में रहनेवाली दुष्ट आत्मिक शक्तियों से होता है।”
> — इफिसियों *6:12 (ERV-HI)*

इसी कारण कुछ श्राप या टोने वास्तव में प्रभावी लगते हैं —लेकिन वे परमेश्वर की शक्ति से नहीं, बल्कि शैतान की चाल से पूरे होते हैं।

□ 3. मनुष्य की आत्मा से आने वाला विश्वास (स्वेच्छा का विश्वास)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

प्रश्न: क्या कोई व्यक्ति कोई बात—अच्छी या बुरी—कह सकता
है, और वह सचमुच पूरी हो सकती है, भले ही वह परमेश्वर से न आई
हो?

यह तीसरा प्रकार का विश्वास है, जो न तो सीधे परमेश्वर से आता है, न ही शैतान से—बल्कि मनुष्य की अपनी आत्मा और इच्छा से उत्पन्न होता है।

उदाहरण के लिए, जब कोई व्यक्ति यह निश्चय करता है कि वह हाथ उठाएगा—तो हाथ उठ जाता है।
जब लोगों ने उड़ने या चाँद पर पहुँचने का सपना देखा, तो उन्होंने यह अपने आंतरिक निश्चय और विश्वास के कारण किया—यह किसी चमत्कार से नहीं हुआ।

यह आंतरिक विश्वास परिस्थितियों पर भी असर डाल सकता है। कभी-कभी कोई व्यक्ति बहुत गहरे दुख या भावना से कुछ बोल देता है, और यदि परमेश्वर हस्तक्षेप नहीं करता, तो वह बात सच हो सकती है।

“यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के समान भी हो, तो तुम इस पहाड़ से कहोगे, ‘यहाँ से वहाँ खिसक जा,’ और वह खिसक जाएगा; और तुम्हारे लिए कुछ भी असम्भव न रहेगा।”
— मत्ती 17:20 (ERV-HI)

कई माता-पिता के आशीर्वाद या श्राप इसी प्रकार के विश्वास से उत्पन्न होते हैं।

□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□, □□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□—□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□

□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□:

□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□, □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□, □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□, □□ □□ □□□□□ □□□□—□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □ □□□□□

□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□:

> *“□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□, □□□□□□□ □□□□□ □□; □□□□□□ □□ □□□□”*
> *— □□□□□□□□□ 12:14 (ERV-HI)*

□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□

⚠ □□□□□□ □□□□□□□:

□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□—□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□, □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□, □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□

> “□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□; □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□, □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□”
> — □□□□□□□□□ *18:21 (ERV-HI)*

□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□
□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□, □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□—□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□

□ □□□□□□□□□□:

□□□□, □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□—□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□—□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□, □□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □ □□□□ □□□□
□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□

□□—□□□□□□ □□□□□□□□, □□□□□□ □□□□□□□, □□ □□□□□□□ □□□□□□□

□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□, □□□□□□□□□□□ □□□□:

> “□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□, □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□, □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□…”
> — □□□□□□ *5:44 (ERV-HI)*

□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□
□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ ✝

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp